4 भंगाहल का तिलिस्मी संसार

पाठ-योजना

पाठ का नाम	भंगाहल का तिलिस्मी संसार
कालांश संख्या	4 से 8
शिक्षण प्रक्रिया	Student Led
पाठ का उद्देश्य	• यात्रा-वृत्तांत विधा से परिचित करवाना • भंगाहल घाटी की संस्कृति, परंपरा, वेशभूषा से परिचित करवाना • सौंदर्य-बोध, पर्यटन, सामाजिक-सांस्कृतिक, धार्मिक-आर्थिक पक्षों से परिचित करवाना • कारक, सर्वनाम के भेद और समूहवाची शब्दों का परिचय देकर अभ्यास करवाना • पाठ का भावानुसार शुद्ध वाचन सिखाना • कठिन शब्दों का शुद्ध उच्चारण और अर्थ बताना • विभिन्न गतिविधियों द्वारा सृजनात्मक क्षमता का विकास करना
पाठ में आने वाले विषय	लिंग-परिवर्तन, वचन-परिवर्तन, कारकों के भेद, सर्वनाम के भेद, समूहवाची शब्द, काल-परिवर्तन, अनौपचारिक पत्र, भाषण/चर्चा, अनुच्छेद-लेखन, डायरी-लेखन, प्रेज़ेंटेशन/परियोजना, चार्ट बनाना, शैक्षिक भ्रमण
शिक्षण सामग्री	पाठ्यपुस्तक, Websupport (Worksheets), आई-बुक एनिमेशन, टेस्ट जेनरेटर
मानक/अमानक शब्द	उद्भव/उद्भव, संपूर्ण/सम्पूर्ण, रोमांच/रोमाङ्च, गद्दी/गद्दी, छह/छः दिखाई/दिखायी
आरंभ— चर्चा एवं समूह वाचन, कौशल—पठन, वाचन-श्रवण	• पाठ के चित्र और शीर्षक पर चर्चा करवाएँ—शीर्षक से पाठ की विषयवस्तु के बारे में क्या पता चलता है? चित्र में दिखाए गए प्राकृतिक दृश्य की चर्चा करें। • आप कहाँ घूमने जाते हैं? आपको घूमने के लिए कौन-सी जगहें पसंद हैं? भंगाहल घाटी के बारे में क्या कुछ जानते हैं? आदि। • पाठ का सार बताएँ। • पाठ का एनिमेशन दिखाएँ और वाचन सुनवाएँ। • कक्षा को छोटे-छोटे समूहों में बाँटकर पाठ का वाचन करवाएँ। • बीच-बीच में पाठाधारित प्रश्न पूछते रहें जिससे एकाग्रता बनी रहे। • वाचन के समय कठिन प्रतीत होने वाले शब्दों को Board पर लिखें और उनका शुद्ध उच्चारण बताएँ। • पाठ की प्रासंगिकता के बारे में बच्चों को चर्चा करने दें। उनके विचार जानें और अपने भी विचार रखें।
मध्य कौशल— लेखन, वाचन	• माइंड मैप द्वारा पाठ की पुनरावृत्ति करवाएँ। • 'पढ़िए' शीर्षक के अंतर्गत दिए गए शब्दों का उच्चारण करवाएँ। श्रुतलेख भी करवा सकते हैं। बच्चे एक-दूसरे के लिखे गए शब्दों की वर्तनी जाँचें। • 'बताइए' और 'सोचिए' के अंतर्गत दिए गए प्रश्नों पर कक्षा में चर्चा करें। बच्चे मौखिक रूप से उत्तर दें।

Scanned with OKEN Scanner

अभ्यास

पढ़िए

1. **मानक वर्तनी एवं वाचन (उच्चारण)**

दिए गए शब्दों की शुद्ध वर्तनी कक्षा में बोर्ड पर लिखवाएँ या कॉपी में लिखने को कहें। शब्दों का कक्षा में शुद्ध उच्चारण करवाएँ।

2. **बताइए**

क. रोमांच-प्रेमियों का तिलिस्मी लोक किसे कहा गया है?
उ. रोमांच-प्रेमियों का तिलिस्मी लोक भंगाहल घाटी को कहा गया है।
ख. भंगाहल घाटी अन्य क्षेत्रों से किस तरह भिन्न है?
उ. भंगाहल घाटी में एक से बढ़कर एक हैरतअंगेज़ और नैसर्गिक स्थल हैं। यहाँ के लोगों की अनूठी संस्कृति, दिलचस्प परंपराएँ, खानपान एवं पहनावा आदि के कारण भंगाहल घाटी अन्य क्षेत्रों से भिन्न है।
ग. बिलिंग क्यों मशहूर है?
उ. बिलिंग रोमांचक खेलों के आयोजन के लिए मशहूर है। हैंगग्लाइडिंग और पैराग्लाइंग के लिए तो बिलिंग जैसी जगह पूरे एशिया में नहीं है।
घ. रावी नदी का उद्गम कहाँ से होता है?
उ. रावी नदी का उद्गम घाटी के 'रई गाहर' नामक स्थल से होता है जिसे कुछ लोग 'हनुमान का किला' भी कहते हैं
ङ. भंगाहल घाटी के लोग किसको देवियों के रूप में पूजते हैं?
उ. भंगाहल घाटी के लोग सतभाजणी को देवियों के रूप में पूजते हैं।

3. **सोचिए (मूल्यपरक प्रश्न)**

❖ पहाड़ी क्षेत्र में रहने वाले लोगों का जीवन शहरी जीवन से किस प्रकार भिन्न होता होगा? तुलना (Comparison) औ विश्लेषण (Analysis) कीजिए।

उ. पहाड़ी क्षेत्र के लोगों और शहरी लोगों के जीवन की तुलना—

- शहरी क्षेत्रों में कंकरीट के मानव निर्मित जंगल हैं जबकि पहाड़ी क्षेत्रों में प्रकृति का नैसर्गिक सौंदर्य मानव-मन को स्वयमेव ही आकर्षित करता है।
- मनुष्य की कल्पना शहरी क्षेत्र हैं, प्रकृति की कल्पना पहाड़ी क्षेत्र हैं। पहाड़ों के गले में मोतियों के हार के रूप में अनेक मनमोहक कल-कल करते झरने झर रहे हैं। शहरी क्षेत्रों में प्रदूषण का ज़हर है, जो वहाँ के निवासियों को अपने बंध में बाँधकर प्राण लेने को आतुर है।
- शहरी क्षेत्रों में नदियाँ मरने के कगार पर पहुँच चुकी हैं और पहाड़ी क्षेत्रों में पहाड़ ही नदियों के लिए पिता के घर के समान हैं अर्थात उनका उद्गम स्थल हैं।
- शहरों से ऊबकर व्यक्ति प्रकृति की गोद में चित्त को शांत करने के लिए जाता है जबकि पहाड़ी क्षेत्रों के निवासी प्रकृ रूपी माँ के आँचल में रहते हैं। यह उनका सौभाग्य है और शहरी क्षेत्रों का दुर्भाग्य है।

लिखिए

1. **गद्यांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर छाँटिए और लिखिए—**

रोमांचकारी रास्ते..दिख जाता है।

क. रोमांचकारी किसे कहा जा रहा है? — iii. नीचे पहुँचने के रास्ते को ✓
ख. झील के बारे में क्या मान्यता है? — ii. इसमें देवता स्नान करते हैं। ✓
ग. रास्ते की दूरी कितनी है? — iii. सात किलोमीटर ✓
घ. सफ़र में क्या-क्या दिखाई दे जाता है?

Scanned with OKEN Scanner

उ. सफ़र में रंग-बिरंगे छोटे-छोटे फूल, जड़ी-बूटियों के पौधे, भोज के पेड़, वन्य प्राणी आदि दिखाई दे जाते हैं।

ङः किन लोगों को खुशनसीब माना गया है?

उ. ऐसे लोग खुशनसीब माने जाते हैं, जिन्हें हिमाचल का राज्य-पक्षी 'मोनाल' और बरफ़ में पाया जाने वाला 'भालू' दिखाई दे जाता है।

2. **संक्षेप में उत्तर लिखिए—**

क. भंगाहल घाटी में प्रकृति के किन-किन रूपों को देखा जा सकता है?

उ. भंगाहल घाटी में सीढ़ीनुमा खेतों की लंबी कतारें, खेतों को सींचते झरने, घाटी की सँकरी ढलानों में नागिन-सी बलखाती नदियाँ, कहीं शिखर से लुढ़कता आता कोई झरना आदि प्रकृति के विविध रूपों को देखा जा सकता है।

ख. किन लोगों के लिए भंगाहल घाटी एक सपना है और क्यों?

उ. रोमांच के प्रेमियों के लिए भंगाहल घाटी एक सपने के समान है क्योंकि यहाँ चारों ओर बरफ़ीले-रुपहले शिखर और शिखरों की गोद में हरियाली से पूर्ण घाटियाँ ही नज़र आती हैं।

ग. पाठ में लेखक ने भंगाहल पहुँचने के रास्ते का किस प्रकार वर्णन किया है?

उ. भंगाहल के तीन ओर लाहौल-स्पीति, कुल्लू और चंबा की सीमाएँ हैं जहाँ से भंगाहल घाटी पहुँचा जा सकता है। पाठ में लेखक ने बैजनाथ-मंडी राष्ट्रीय राजमार्ग का वर्णन किया है।

घ. सरदियों में कुक्कड़गुंधा के लोग पलायन क्यों कर जाते हैं?

उ. सरदियों में कुक्कड़गुंधा कई फुट मोटी बरफ़ की चादर से ढक जाता है इसलिए इस गाँव के रहने वाले यहाँ से पलायन कर बैजनाथ उपमंडल के गद्दी बहुल इलाकों में जा बसते हैं।

ङः घाटी में घरों को दो मंज़िला और छतों को ढलानदार क्यों बनाया जाता है?

उ. घाटी में घरों को दो मंज़िला और ढलानदार बनाया जाता है ताकि बरफ़ इनपर न टिक सके।

च. थमसर दर्रे की क्या विशेषता है?

उ. थमसर दर्रे में चारों तरफ़ प्रकृति बिखरी हुई दिखाई देती है। यहाँ एक सुरम्य झील है जिसके पानी का रंग गहरा नीला दिखाई देता है। हिमाचल का राज्य पक्षी 'मोनाल' और बरफ़ में पाया जाने वाला भालू भी यही दिखाई देता है।

3. **विस्तार से उत्तर लिखिए—**

क. बीड़ रोड से बिलिंग तक के सफ़र का अपने शब्दों में वर्णन कीजिए।

उ. बीड़ रोड से बिलिंग तक के सफ़र में दोनों ओर चाय के बागान दिखाई देते हैं, जहाँ पर चाय की पत्तियाँ तोड़ती महिलाओं के मधुर गीत कानों में रस घोलते हैं। आगे बढ़ने पर मंत्रों का जाप करते बौद्ध भिक्षु अपने मंत्रों के जाप से आकर्षित करते हैं। आगे बाज़ार में कुछ दुकानें और चाय का कारखाना है। इससे आगे घने जंगल और सर्पीली बलखाती सड़क से होकर चौदह किलोमीटर का सफ़र तय करके 'बिलिंग' में प्रवेश करते हैं।

ख. बिलिंग पर पाँव पड़ते ही कैसा अनुभव होता है?

उ. चौदह किलोमीटर का सफ़र तय करके लेखक के पाँव 'बिलिंग' पर पड़ते हैं तो लगता है जैसे आसपास के पहाड़ लेखक के लिए बौने पड़ गए हों और वे अंतरिक्ष में तैर रहे हों। दूर-दूर तक पहाड़ियों का यही सिलसिला चलता रहता है। नीचे झाँकने पर छोटे-छोटे गाँव, खिलौने जैसे घर, लहलहाती फ़सलें आदि देखकर धरती पर गलीचा बिछा होने का एहसास होता है।

ग. 'हनुमान किले' से संबंधित लोककथा क्या है?

उ. 'हनुमान किले' से संबंधित लोक मान्यता है कि इस किले में कभी सात देवी बहनों 'सतभाजणियों' का वास था। किसी कारणवश आपस में मनमुटाव होने पर एक रात छह बड़ी बहनें अपनी छोटी बहन को छोड़कर रई सागर से दूर किसी अन्य स्थान को चली गईं। वहाँ नदी के रूप में रहने लगीं। ये नदियाँ गंगा, यमुना, सरस्वती, व्यास, सतलुज और चेनाब हैं। सुबह जब छोटी बहन की नींद खुली तो स्वयं को अकेला पाकर वह रोने लगी। रोने से उसकी आँखों

Scanned with OKEN Scanner

से इतने आँसू बहे कि उसने नदी का रूप धारण कर लिया और स्वयं रावी नदी बन गई। भंगाहल के लोग सतभाजणी को देवियों के रूप में पूजते हैं।

घ. भंगाहल गाँव के लोगों का जीवन कैसा है?

उ. भंगाहल ज़िला काँगड़ा का आखिरी गाँव है। इस गाँव की आबादी पाँच सौ के आसपास है। लकड़ी से बने हुए अधिकतर घर दो मंज़िला हैं। इन घरों में नीचे भेड़-बकरियाँ और ऊपर लोग खुद रहते हैं। पत्थरों और लकड़ी के शहतीरों को डालकर बनाए गए घरों की छतें ढलानदार होती हैं ताकि बरफ़ इनपर न टिक सके। यहाँ के लोग सरदियों में मैदानी घाटियों की तरफ़ पलायन नहीं करते हैं बल्कि यहीं अपनी दुनिया में मौज मनाते हैं। नाच-गानों का दौर चलता है तथा माहौल को जीवंत बनाया जाता है।

ङ. भंगाहल घाटी को तिलिस्मी लोक क्यों कहा गया होगा? अपने शब्दों में लिखिए।

उ. भंगाहल घाटी हिमाचल की सबसे सुंदर घाटी है। यह रोमांच-प्रेमियों के लिए एक स्वप्नलोक से कम नहीं है। इस घाटी में जोखिम और रोमांच का सुंदर समन्वय है। भंगाहल घाटी में धर्म, संस्कृति, परंपराएँ अपनी गरिमा के साथ मौजूद हैं। इस घाटी में ट्रैकिंग व रोमांच के प्रेमी पहुँचते रहते हैं। इस घाटी के लोग प्रकृति से प्रेम करते हैं और प्रकृति इनसे प्रेम करती है।

समझिए व्याकरण संबोध

1. **रंगीन छपे शब्दों के लिंग बदलकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—**

क. मैं अपने भाई और ...बहन... को भंगाहल घाटी के सौंदर्य के बारे में बता रहा था।

ख. इस घाटी के मायालोक में लेखक और ...लेखिका... मानो खो ही गए थे।

ग. हंस और ...हंसिनी... सरोवर में तैर रहे हैं।

घ. गायक और ...गायिका... सदैव ही स्वरों की चर्चा किया करते हैं।

ङ. इस घाटी की वादियों में हिरन और ...हिरनी... घूम रहे हैं।

च. ग्वाला और ...ग्वालिन... अपने जानवरों की देखभाल करते हैं।

2. **निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलिए—**

सरिताएँ — ...सरिता...	घाटी — ...घाटियाँ...	गलीचा — ...गलीचे...
शहतीरों — ...शहतीर...	दुकानें — ...दुकान...	बकरी — ...बकरियाँ...

3. **निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त कारकों को पहचानकर उनका नाम लिखिए—**

क. घाटियों की सँकरी ढलानों में नागिन-सी बलखाती सरिताएँ मन मोहती हैं। ...'की' संबंध कारक, 'में' अधिकरण कारक...

ख. बिलिंग रोमांचक खेलों के लिए प्रसिद्ध है। ...'के लिए' संप्रदान कारक...

ग. हमने मोटरकार से कुछ दूरी तय की थी। ...'से' करण कारक...

घ. देखो मनु! कितने सुंदर फूल खिले हैं। ...'देखो मनु!' संबोधन कारक...

ङ. पक्षियों ने इस घाटी को मधुर स्वर दिए हैं। ...'ने' कर्ता कारक, 'को' कर्म कारक...

4. **निम्नलिखित वाक्यों में सर्वनाम रेखांकित करके उनके भेद लिखिए—**

क. <u>हम</u> भंगाहल के तिलिस्मी संसार में प्रवेश करने लगे। ...पुरुषवाचक सर्वनाम...

ख. वन्य प्राणी <u>हमारा</u> स्वागत करते दिखते हैं। ...पुरुषवाचक सर्वनाम...

ग. <u>जो</u> भंगाहल के तिलिस्मी संसार में आएगा, <u>वही</u> इस संसार का आनंद उठाएगा। ...संबंधवाचक सर्वनाम...

घ. <u>वह</u> <u>स्वयं</u> रावी नदी बन गई। ...पुरुषवाचक सर्वनाम, निजवाचक सर्वनाम

Scanned with OKEN Scanner

5 सिपाही

पाठ-योजना

कविता का नाम	सिपाही
कालांश संख्या	4 से 6
शिक्षण प्रक्रिया	Student Led
कविता का उद्देश्य	• समाज को सैनिकों के बलिदान के प्रति जागरूक करना • सैनिकों की कठिनाइयों, जुझारूपन और देशप्रेम को समझाना • नि:स्वार्थ भावना से हमारी रक्षा करने वाले सैनिकों के त्याग को याद रखना • वर्तमान पीढ़ी में देश और देश-रक्षकों के प्रति कृतज्ञता, सम्मान और प्रेम का भाव जाग्रत करना • भाववाचक संज्ञा का अभ्यास करवाना • कविता का भावानुसार लययुक्त वाचन सिखाना • कठिन शब्दों का शुद्ध उच्चारण और अर्थ बताना • विभिन्न गतिविधियों द्वारा सृजनात्मक क्षमता का विकास करना
कविता में आनेवाले विषय	• पर्यायवाची • लिंग की पहचान • भाववाचक संज्ञा बनाना • वचन-परिवर्तन • कविता-संकलन और काव्य-पाठ • विज्ञापन-लेखन • कहानी-लेखन • साक्षात्कार • डायरी-लेखन
शिक्षण सामग्री	पाठ्यपुस्तक, Websupport (Worksheets), आई-बुक एनिमेशन, टेस्ट जेनरेटर
मानक/अमानक शब्द	जगाएगी/जगायेगी, किंतु/किन्तु, पंखुड़ियाँ/पङ्खुड़ियाँ, पत्ती/पत्ती
आरंभ— चर्चा एवं समूह वाचन, कौशल—पठन, वाचन-श्रवण	• कविता के शीर्षक और चित्र पर चर्चा करवाएँ— शीर्षक और चित्र से कविता के विषय में क्या पता चलता है? देश-रक्षा के लिए आप क्या कर सकते हैं? सिपाही क्या करते हैं? आदि। • कविता का मूल भाव बताएँ। • कविता का एनिमेशन दिखाएँ और वाचन सुनवाएँ। • कक्षा को छोटे-छोटे समूहों में बाँटकर कविता का वाचन करवाएँ। • बीच-बीच में कविता से संबंधित प्रश्न पूछकर एकाग्रता को बनाए रखें। • कविता में आए कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिख लें। उनका शुद्ध उच्चारण, अर्थ तथा प्रयोग बताएँ। • कविता का सरलार्थ बताएँ। • कविता की प्रासंगिकता पर कक्षा में चर्चा करें।
मध्य कौशल— लेखन, वाचन	• माइंड मैप द्वारा कविता की पुनरावृत्ति करवाएँ। • 'पढ़िए' शीर्षक के अंतर्गत दिए गए शब्दों का उच्चारण करवाएँ। श्रुतलेख भी करवा सकते हैं। बच्चे एक-दूसरे के लिखे गए शब्दों की वर्तनी जाँचें।• 'बताइए' और 'सोचिए' के अंतर्गत दिए गए प्रश्नों पर कक्षा में चर्चा करें। बच्चे मौखिक रूप से उत्तर दें। • 'लिखिए' शीर्षक के अंतर्गत प्रश्न 1 और व्याकरण संबोध में दिए प्रश्नों को पुस्तक में ही हल करवाएँ। प्रश्न 2 और 3 पर कक्षा में चर्चा करें और कॉपी में हल लिखवाएँ। • विषय संवर्धन गतिविधियों के अंतर्गत छात्रों के समूह बनवाएँ। प्रत्येक समूह अपनी इच्छानुसार गतिविधि का चुनाव करे और कक्षा में प्रस्तुत करे। • 'क्या होता यदि' शीर्षक के अंतर्गत दी गई स्थिति पर सामूहिक चर्चा करवाएँ और मुख्य बिंदुओं को कॉपी में नोट करने को कहें।

Scanned with OKEN Scanner

अभ्यास

पढ़िए

1. **मानक वर्तनी एवं वाचन (उच्चारण)**

दिए गए शब्दों की शुद्ध वर्तनी कक्षा में बोर्ड पर लिखवाएँ या कॉपी में लिखने को कहें। शब्दों का कक्षा में शुद्ध उच्चारण करवाएँ।

2. **बताइए**

क. एक सैनिक किसके इशारे पर मर-मिटता है?

उ. सेनापति के इशारे पर एक सैनिक मर-मिटता है।

ख. यह विश्व किसे भुला देता है?

उ. यह विश्व एक सैनिक के महान बलिदान को भुला देता है।

ग. फूलों की शोणित लाली सायंकाल किसे नमन करेगी?

उ. फूलों की शोणित लाली सायंकाल माँ (भारत माता) को नमन करेगी।

घ. देशवासियों से शहीद सैनिक क्या चाहता है?

उ. देशवासियों से सैनिक केवल यही चाहता है कि देशवासी सैनिक के बलिदान को सदैव याद रखें।

3. **सोचिए (मूल्यपरक प्रश्न)**

❖ सैनिक बिना किसी स्वार्थ के सीमा पर हमारी रक्षा क्यों करते हैं? उनके मन में देशवासियों के प्रति क्या भावनाएँ आती होंगी?

उ. सैनिक अपने देश व देशवासियों से बेहद प्रेम करते हैं। उनकी प्राथमिकता में अपने कर्तव्य का निर्वाह प्रथम होता है। वे इस बात को जानते हैं कि देश की सीमाएँ उनके बल पर ही सुरक्षित हैं। एक सैनिक के मन में यही विचार सदैव आता रहता होगा कि उसका देश आज जितनी तरक्की कर रहा है, वह सबके एक होने से ही संभव हुआ है। सैनिक के लिए उसका धर्म, ईमान सब कुछ देश की रक्षा में निहित होता है।

लिखिए

1. **काव्यांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर छाँटिए और लिखिए—**

वह लाली...आऊँगा।

क. कवि लाली के रूप में किसके आने की बात कह रहा है? — ii. सैनिक के बलिदान की ✓

ख. किसे जगाने की बात हो रही है? — iii. देशवासियों को ✓

ग. माँ किसे कहा गया है? — i. मातृभूमि को ✓

घ. सैनिक स्वर्ग के सुखों के बीच क्यों नहीं रुकना चाहता है?

उ. स्वर्ग में रहकर वह देश के लिए कुछ नहीं कर सकेगा इसलिए सैनिक स्वर्ग के सुखों के बीच नहीं रुकना चाहता है।

ङ. सैनिक चुपके से किस रूप में आने की बात कर रहा है?

उ. सैनिक चुपके से उल्का के रूप में आने की बात कह रहा है।

संक्षेप में उत्तर लिखिए—

क. एक सैनिक के लिए किसका मोह नहीं होता है?

उ. एक सैनिक के लिए इतिहास में अमर होने और प्रसिद्धि का मोह नहीं होता है।

ख. सैनिक इतिहास में अमर क्यों नहीं होना चाहता है?

उ. सैनिक को इतिहास में अमर होने का कोई मोह नहीं होता है। उसके लिए तो देश की सीमाओं की रक्षा करना ही सर्वोपरि कर्तव्य होता है।

ग. हमारे बीच सैनिक किस रूप में रहेगा?

उ. हमारे बीच सैनिक फूल की पंखुड़ी बनकर या एक पत्ती बनकर रहना चाहता है।

3. **विस्तार से उत्तर लिखिए—**

क. कवि के अनुसार सैनिक अपना जीवन किस प्रकार जीता है? स्पष्ट करें।

उ. एक सैनिक अपना जीवन ख्याति, सुयश, सम्मान, वैभव का मोह त्यागकर जीता है। उसके जीवन का एक मात्र लक्ष्य देश की सीमाओं की रक्षा करना है। वह देश की रक्षा करते हुए अपने प्राणों का बलिदान करने से कभी पीछे नहीं हटता है।

ख. देशवासियों से सैनिक को किस बात का मलाल है और क्यों?

उ. देशवासियों से सैनिक को मलाल है कि देशवासी उसके किए हुए बलिदान को भुला देते हैं। साहित्यकार भी अपनी कलम से सैनिक के बलिदान को शब्द से सम्मान नहीं देते हैं। इस विश्व के लिए सैनिक और उसका बलिदान सामान्य घटना बन जाती है।

ग. शहीद सैनिक कवियों से क्या चाहता है और क्यों?

उ. शहीद सैनिक कवियों से चाहता है कि वे उसकी शहादत पर अपनी कलम से कुछ ऐसा लिखें कि उसका बलिदान आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा-स्रोत बन जाए। देशवासियों में देश-प्रेम की भावना उमड़ने लगे।

भाव स्पष्ट कीजिए—

क. वनिता की ममता न हुई, सुत का न मुझे कुछ छोह हुआ।

उ. इस पंक्ति का भाव यह है कि सैनिक को देश की सीमाओं की रक्षा करते हुए अपने प्राणों का बलिदान करने में कोई संकोच नहीं होता है। देश-प्रेम के सामने सैनिक अपनी पत्नी, संतान का कोई मोह नहीं करता है।

ख. मसि की तो क्या बात? गली की ठिकरी मुझे भुलाती है।

उ. इस पंक्ति का भाव यह है कि एक सच्चे सैनिक को इस बात का मलाल है कि बलिदान के बाद कवियों की कलम और उसकी गली की मिट्टी तक उसे भुला देती है।

ग. व्यर्थ न होगा इस समाधि पर दो आँसू-कण बरसाना।

उ. इस पंक्ति का भाव यह है कि सैनिक कहता है कि मेरे बलिदान के बाद यदि तुम मेरी समाधि पर दो आँसू बहा दोगे तो वे व्यर्थ नहीं जाएँगे अर्थात तुम्हारा आँसू बहाना सार्थक हो जाएगा। यह मेरे जैसे अनेक सैनिकों को देश के लिए बलिदान होने को प्रेरित करता रहेगा।

समझिए व्याकरण संबोध

1. **निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची लिखिए—**

सुत	...पुत्र...	...बेटा...	माँ	...अंबा...	...जननी...
विपिन	...उपवन...	...वन...	रात	...रात्रि...	...रजनी...
वनिता	...स्त्री...	...पत्नी...	फूल	...पुष्प...	...सुमन...

2. **निम्नलिखित शब्दों के लिंग पहचानकर लिखिए—**

इतिहास	...पुल्लिंग...	जग	...पुल्लिंग...	भूमि	...स्त्रीलिंग...
मृत्यु	...स्त्रीलिंग...	विपिन	...पुल्लिंग...	गली	...स्त्रीलिंग...

Scanned with OKEN Scanner

6 आखिरी पत्ता

पाठ-योजना

पाठ का नाम	आखिरी पत्ता
कालांश संख्या	4 से 8
शिक्षण प्रक्रिया	Student Led
पाठ का उद्देश्य	• सकारात्मक रहकर जीवन जीने का संदेश देना • मनोविज्ञान और स्वास्थ्य के बीच संबंध को बताना • मित्रता, मदद, परोपकार जैसे गुणों को विकसित करना • सच्चे कलाकार की पहचान बताना • विशेषण और उसके भेदों का परिचय देकर अभ्यास करवाना • पाठ का शुद्ध उच्चारण के साथ वाचन सिखाना • कठिन शब्दों का शुद्ध उच्चारण, अर्थ और प्रयोग सिखाना • विभिन्न गतिविधियों द्वारा सृजनात्मक क्षमता का विकास करना
पाठ में आने वाले विषय	विशेषण, 'दार' प्रत्यय लगाकर विशेषण बनाना, वचन-परिवर्तन, समध्वनि भिन्नार्थक, अनुच्छेद-लेखन, फ़िल्म देखना, संवाद-लेखन
शिक्षण सामग्री	पाठ्यपुस्तक, Websupport (Worksheets), आई-बुक एनिमेशन, टेस्ट जेनरेटर
मानक/अमानक शब्द	गई/गयी, पत्ता/पत्ता, उलटी/उल्टी, संबंध/सम्बन्ध, अंदर/अन्दर, परदा/पर्दा
आरंभ— चर्चा एवं समूह वाचन, कौशल—पठन, वाचन-श्रवण	• कहानी के शीर्षक पर चर्चा करवाएँ—शीर्षक से कहानी की विषयवस्तु के बारे में क्या पता चलता है? चित्र में क्या दिखाया गया है? बिस्तर पर लेटी लड़की बाहर क्यों देख रही होगी? दूसरे चित्र में दोनों लड़कियाँ क्या बातें कर रही होंगी? बूढ़े व्यक्ति के हाथ में ब्रश और एक पत्ते का क्या संबंध हो सकता है? • जब आप बीमार पड़ते हैं तो आपकी मन:स्थिति कैसी होती है? क्या कभी ऐसा हुआ है कि बीमारी में आपका मनोबल कमज़ोर पड़ गया है? घर में कोई बीमार हो तो उसकी देखभाल आप कैसे करते हैं? आदि। • पाठ का सार बताएँ। • पाठ का एनिमेशन दिखाएँ और वाचन सुनवाएँ। • कक्षा को छोटे-छोटे समूहों में बाँटकर पाठ का वाचन करवाएँ। • बीच-बीच में पाठ आधारित छोटे-छोटे प्रश्न पूछते रहें जिससे एकाग्रता बनी रहे। • कठिन प्रतीत होने वाले शब्दों को Board पर लिख लें तथा इनके अर्थ और सही उच्चारण बताएँ। • पाठ की प्रासंगिकता के बारे में बच्चों को चर्चा करने दें। उनके विचार जानें और अपने भी विचार रखें।

Scanned with OKEN Scanner

अभ्यास

पढ़िए

1. **मानक वर्तनी एवं वाचन (उच्चारण)**

दिए गए शब्दों की शुद्ध वर्तनी कक्षा में बोर्ड पर लिखवाएँ या कॉपी में लिखने को कहें। शब्दों का कक्षा में शुद्ध उच्चारण करवाएँ।

2. **बताइए**

क. सू और जानसी की मित्रता कैसे हुई?

उ. सू और जानसी दोनों ही कलाकार थीं। उनकी मुलाकात एक होटल में हुई थी। दोनों की रुचियाँ और विचार एक जैसे थे इसलिए वे एक-दूसरे की मित्र बन गईं।

ख. जानसी के लिए बिस्तर से हिलना-डुलना क्यों मुश्किल हो गया था?

उ. जानसी को निमोनिया हो गया था। उसके फेफड़ों में बलगम जम जाने के कारण वह इतनी कमज़ोर हो गई कि उसके लिए बिस्तर से हिलना-डुलना भी मुश्किल हो गया था।

ग. बहरमन की अनोखी कलाकृति कौन-सी थी?

उ. बहरमन ने तेज़ हवा और भयंकर बारिश के बावजूद पूरी रात जागकर मेहनत से बिलकुल असली लगने वाला अंगूर की बेल का पत्ता बनाया था। वह पत्ता इतना सुंदर था कि असली जैसा प्रतीत होता था। इसी ने जानसी के प्राणों की रक्षा की थी। यही उसकी अनोखी कलाकृति थी।

3. **सोचिए (मूल्यपरक प्रश्न)**

क. क्या मनुष्य को आशावादी होना चाहिए? निराशावादी तो संघर्ष करने से पहले ही हार मान लेता है। अपने विचार बताइए।

उ. आशावादिता ही जीवन जीना सिखाती है। आशावादी ही जीवन की समस्याओं का सामना कर पाते हैं। निराशावादी तो मुसीबत का नाम सुनकर ही टूट जाते हैं और हार मानकर जीवन मिटा देते हैं। यह संसार निराशावादियों के लिए नहीं है। इस संसार में वही प्राणी जीवित रह सकता है जो निरंतर और अथक भाव से संघर्ष करता है। आशावादी ही इस संसार के लिए कुछ दे पाते हैं। निराशावादियों ने तो संसार को कायरता ही दी है। इसलिए हमें आशावादी और संघर्षशील होना चाहिए।

ख. कहानी में किस मनोवैज्ञानिक पहलू का उल्लेख किया गया है? क्या स्वस्थ होने में इसका योगदान रहता है?

ख. इस कहानी में यह स्पष्ट किया गया है कि यदि व्यक्ति मन से स्वयं को बीमार मान लेता है, निराशा के भावों में डूब जाता है, तो उस पर दवाइयों का भी कोई असर नहीं होता है। दवाएँ भी उसी व्यक्ति को स्वस्थ कर पाती हैं जिसे स्वयं पर भरोसा होता है। किसी भी व्यक्ति को शारीरिक रूप से स्वस्थ होने के लिए मानसिक रूप से स्वस्थ होना आवश्यक है। स्वस्थ तन और मन वाला व्यक्ति ही भरपूर जीवन जी पाता है। निराशा से घिरे और मनोरोगी तो स्वयं पर, समाज पर तथा समूची मानवता पर बोझ होते हैं।

लिखिए

1. **गद्यांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर छाँटिए और लिखिए—**

सू चित्र...मर जाऊँगी।

क. सू और जानसी कौन थीं? — ii. सहेलियाँ ✓

ख. धीमी-धीमी आवाज़ किसकी थी? — ii. जानसी की ✓

Scanned with OKEN Scanner

ग. अंगूर की बेल कैसी थी?

iv. अधमूखी ✓

घ. जानसी क्या गिन रही थी और क्यों?

उ. जानसी अंगूर की बेल के पत्ते गिन रही थी क्योंकि वह सोचती थी कि जिस दिन इस बेल का आखिरी पत्ता टूट जाएगा, उसी दिन उसकी मृत्यु हो जाएगी।

ङ. क्या जानसी का सोचना सही था? क्यों?

उ. जानसी का सोचना सही नहीं था क्योंकि इस टूटे मनोबल के कारण उसपर दवाइयों का असर नहीं हो रहा था। वैसे भी अंगूर की बेल उसके जीवन से जुड़ी नहीं थी।

2. **संक्षेप में उत्तर लिखिए—**

क. जानसी के कमरे में जाने पर सू ने क्या देखा?

उ. जानसी के कमरे में जाने पर सू ने देखा कि जानसी लगातार खिड़की से बाहर देख रही थी और उलटी गिनती गिन रही थी।

ख. जानसी को क्या वहम हो गया था?

उ. जानसी को वहम हो गया था कि जब अंगूर की बेल का आखिरी पत्ता गिर जाएगा तो वह मर जाएगी।

ग. बहरमन की मृत्यु कैसे हुई?

उ. बारिश में भीगते हुए अंगूर की बेल का पत्ता बनाने के कारण उसे निमोनिया हो गया और उसकी मृत्यु हो गई।

3. **विस्तार से उत्तर लिखिए—**

क. डॉक्टर ने सू से जानसी की बीमारी के विषय में क्या कहा?

उ. डॉक्टर ने जानसी की बीमारी के बारे में बताया कि जानसी के बचने की कोई आशा नहीं है। वह जीवन से निराश हो चुकी है। जीवन के प्रति निराशा के कारण ही दवाई का कोई खास असर नहीं हो रहा है। जानसी के मन में यह बात बैठ गई है कि वह अब कभी ठीक नहीं होगी और उसकी मृत्यु समीप ही है।

ख. बहरमन कौन था? वह क्या बनाना चाहता था?

उ. बहरमन एक चित्रकार था। उसकी उम्र साठ वर्ष से अधिक हो गई थी। वह जानसी और सू वाले मकान में ही सबसे नीचे की मंज़िल पर रहता था। वह कला के क्षेत्र में असफल हो चुका था। वह सदा ही एक अनोखी कलाकृति बनाना चाहता था।

ग. बेल का आखिरी पत्ता किसने बनाया था तथा इसके बारे में कैसे पता चला?

उ. बेल का आखिरी पत्ता बहरमन ने बनाया था। इसका पता तब चला जब चौकीदारों ने बताया कि बहरमन के कमरे से एक लालटेन और एक सीढ़ी मिली और एक प्लेट भी मिली, जिसमें हरा और पीला रंग भी लगा था। इसके अलावा कुछ ब्रश भी मिले थे।

घ. बीमार लोगों पर दवाई असर कब नहीं करती?

उ. बीमार होने पर लोग अपने जीवन से निराश हो जाते हैं अथवा जीने की आशा ही छोड़ देते हैं। उनके मन में सदैव ही नकारात्मक विचार आते रहते हैं तो ऐसी अवस्था में दवाई भी अपना असर नहीं करती है अथवा उसका असर जिस मात्रा में होना चाहिए, नहीं हो पाता है।

ङ. बहरमन द्वारा किए गए कार्य को आप उचित मानते हैं या अनुचित? कारण सहित उत्तर दीजिए।

उ. बहरमन का कार्य उच्च मानव मूल्यों से प्रेरित था। किसी का जीवन बचाने के लिए उसके द्वारा बरसात में भीगते हुए अंगूर की बेल पर पत्ते का चित्र बनाना अनोखी कला का उत्कृष्ट नमूना था। ऐसे उदाहरण विरले ही मिलते हैं। अत: कहा जा सकता है कि बरहमन द्वारा किया गया कार्य पूर्णत: उचित ही था।

...शय स्पष्ट कीजिए—

अब मैं जान गई हूँ कि मरने की इच्छा करना बुरी बात है।

इस पंक्ति का आशय यह है कि ज़ानसी का खोया हुआ आत्मविश्वास लौट आया था। उसे यह यकीन हो गया था कि मौत का विचार निरर्थक था। वह दवाओं के सेवन और उचित देखभाल से स्वस्थ हो सकती थी और स्वस्थ हुई भी।

Scanned with OKEN Scanner